ई-संदेश

24 जुलाई, 2025 | अंक 163

सात दिन - सात पृष्ठ

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से 19 जुलाई, 2025 को नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी शिष्टाचार भेंट करते हुए।

- भगवान बिरसा मुण्डा की विरासत राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने की प्रेरणा प्रदान करती है: मुख्यमंत्री
- सभी शिवभक्त कांवड़ ले जाते समय अन्य शिवभक्तों तथा राहगीरों की सुविधाओं का ध्यान रखें : मुख्यमंत्री
- क्लाइमेटिक जोन तथा पर्यावरण के अनुरूप शोध कार्य को आगे बढ़ाने के प्रयास हों : मुख्यमंत्री
- भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में गोरखपुर को पूरे देश में चौथा स्थान मिलना एक बड़ी उपलब्धि है,अगली प्रतिस्पर्धा टॉप थ्री में आने की है : मुख्यमंत्री
- शिष्टाचार भेंट
- 22 जुलाई, 2025 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई कैबिनेट बैठक के प्रमुख निर्णय

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

भगवान बिरसा मुण्डा की विरासत राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने की प्रेरणा प्रदान करती है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 18 जुलाई, 2025 को जनपद वाराणसी में वसंत महिला महाविद्यालय के भूगोल विभाग एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई0सी0एस0 एस0आर0) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'बिरसा मुण्डा की विरासत, जनजातीय सशक्तिकरण और राष्ट्रीय आन्दोलन के उत्प्रेरक' विषय पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा की विरासत राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सौहार्द को बनाये रखने की प्रेरणा प्रदान करती है। भगवान बिरसा मुण्डा धरती माता को गुलामी की बेड़ियों से आजाद करने के लिए किए जाने वाले संघर्ष के प्रतीक हैं। जनजातीय समुदाय के लोगों ने सदैव से समाज की अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर भारत की विरासत व धरोहर को संरक्षित करने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस संगोष्ठी का लक्ष्य 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुण्डा की विरासत को जीवन्तता प्रदान करना है। भगवान बिरसा मुण्डा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन प्रदेश सहित देशभर में किया जाता है। यह जनजातीय समाज के मन में नये विश्वास को बहाल करने के हमारे प्रयासों का हिस्सा है। इस प्रकार के आयोजनों से हम राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करने में सफल होंगे। जनजातीय समुदाय प्रत्येक वर्ष 15 नवम्बर की तिथि को भगवान बिरसा मुण्डा की जयन्ती गौरवपूर्ण तरीके से मनाता है। जनजातीय समुदाय के बीच संवाद स्थापित करने हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की प्रेरणा दी। यह वर्ष भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयन्ती का वर्ष भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनजातीय समाज ने राष्ट्रीय आन्दोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया है। देश व सनातन धर्म के समक्ष आ रही चुनौतियों का जनजातीय समुदाय के लोगों ने सदैव अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर सामना किया है। भगवान श्रीराम के वनवास के दौरान जब माता सीता का अपहरण हुआ, तो जनजातीय समुदाय के लोगों ने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर भगवान श्रीराम के साथ मिलकर उस समय की सबसे बड़ी ताकत के साथ युद्ध लड़ा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मध्यकालीन भारत में हल्दी घाटी युद्ध के बाद महाराणा प्रताप को जंगल में प्रस्थान करना पड़ा था। उस समय भील, मीणा और वहां के जनजातीय समाज के लोग महाराणा प्रताप के साथ खड़े हुए। उन्होंने महाराणा प्रताप को बचाने व उनकी सैन्य शक्ति को पुनर्जीवित करने में अपना योगदान दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लोगों ने समाज की अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर भारत की विरासत व धरोहर को संरक्षित करने का कार्य किया है। जनजातीय समुदाय ने वेदों को अपने जीवन में अंगीकार कर भारत की सनातन परम्परा को संरक्षित रखा है।

भारत की सनातन परम्परा में यह कहीं नहीं कहा गया है कि जो व्यक्ति मन्दिर जाएगा, पूजा करेगा, किसी विशेष ग्रन्थ को मानेगा, वही हिन्दू हैबल्कि जो इन्हें मानेगा वह भी हिन्दू है और जो नहीं मानेगा, वह भी हिन्दू है। हमने चार्वाक को ऋषि तथा भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का अवतार माना है। जैन परम्परा को भी पूरा सम्मान दिया है। जनजातीय समुदाय देश की परम्परा में रचा-बसा भारत का आदि समुदाय है। इस समुदाय ने भारत की सनातन परम्परा को सदैव मजबूती प्रदान की है। जनजातीय समुदाय ने आजादी के किसी भी आन्दोलन में अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर नेतृत्व प्रदान किया और भारत की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तत्पर रहे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनजातीय समुदाय से संवाद स्थापित करने के प्रधानमंत्री जी के भाव को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने सर्वप्रथम जनजातीय समुदाय के लोगों का राशन कार्ड बनाने तथा भूमि का पट्टा आवंटित करने का कार्य किया। उन्हें पेंशन, आवास तथा अन्य सुविधाओं से भी जोड़ा गया। सोनभद्र, मीरजापुर, चन्दौली में गोंड, बुक्सा, चेरो, नेपाल सीमा के तराई क्षेत्र में मुसहर व थारू, बुन्देलखण्ड में सहरिया, बिजनौर में बुक्सा आदि जनजातियों को विभिन्न सुविधाओं से संतृप्त करने के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

सभी शिवभक्त कांवड़ ले जाते समय अन्य शिवभक्तों तथा राहगीरों की सुविधाओं का ध्यान रखें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 20 जुलाई, 2025 को जनपद मेरठ में कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा कर उनकी आस्था को सम्मान दिया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान शिव लोकमंगल के देवता व देवाधिदेव हैं। उनकी कृपा सभी भक्तों को समान रुप से प्राप्त होती है। पवित्र सावन माह में शिव भक्त कांवड़ के रूप में जल लेकर कल से बाबा अवघड़ नाथ, पुरामहादेव तथा दूधेश्वर नाथ आदि मन्दिरों में जलाभिषेक कर भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करेंगे। बच्चे, युवा, वृद्ध तथा महिलाएं कांवड़ लेकर, सामाजिक समता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए श्रद्धा-भक्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी श्रद्धालुओं की कठिन साधना और परिश्रम में अपार श्रद्धा का भाव समाहित है। सभी श्रद्धालुजन अपनी इस श्रद्धा यात्रा को निर्बाध रख सकें इसके लिए प्रदेश सरकार, स्वयंसेवी, सामाजिक तथा धार्मिक संगठनों ने कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा तथा सुगम यातायात के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं की हैं। सामाजिक तथा धार्मिक संगठनों द्वारा जगह-जगह पण्डाल लगाकर कांवड़ यात्रियों का स्वागत व अभिनन्दन किया जा रहा है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री जी ने श्रद्धालु कांवड़ यात्रियों को दायित्व बोध भी कराया। उन्होंने कहा कि सभी शिवभक्तों का दायित्व है कि वह कांवड़ ले जाते समय दूसरों की परेशानी को भी समझें। अपने सह कांवड़ यात्रियों, अन्य शिवभक्तों तथा राहगीरों की सुविधाओं का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि उत्साह, उमंग, श्रद्धा व भक्ति के वातावरण तथा कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने के लिए कुछ अराजक तत्व सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर व प्रत्यक्ष रूप से भी लगातार कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। ऐसे अराजक व उपद्रवी तत्वों को बेनकाब करना प्रत्येक कांवड़ संघ का दयित्व है। ऐसे तत्वों को कांवड़ यात्रा में न घुसने दें तथा इसकी सूचना प्रशासन को तत्काल दें। प्रशासन ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्ती से निपटने का काम करेगा।

मा० मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से दिनांक 19 जुलाई 2025 को लखनऊ में उत्तराखण्ड के मा0 राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से०नि0) गुरमीत सिंह जी ने शिष्टाचार भेंट की।

क्लाइमेटिक जोन तथा पर्यावरण के अनुरूप शोध कार्य को आगे बढ़ाने के प्रयास हों : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 22 जुलाई, 2025 को यहां भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के 36वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'विकसित कृषि विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद का गीत लॉन्च किया। उन्होंने उपकार की तकनीकी पुस्तिका 'बदलते जलवायु परिदृश्य में श्री अन्न का उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन हेतु अभिनव दृष्टिकोण', गौ-आधारित प्राकृतिक खेती सतत् कृषि के लिए वरदान, 'उपकार समाचार' (न्यूज लेटर) तथा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ की पत्रिका 'इक्षु' का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर आयोजित कृषि वैज्ञानिक सम्मान समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में विस्तृत कृषि भूमि व पर्याप्त जल संसाधन हैं। यहां की कृषि भूमि अत्यन्त उर्वरा है। दुनिया में उत्तर प्रदेश सम्भवतः एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसका 86 प्रतिशत से अधिक भू-भाग सिंचित है। दूसरी ओर, यहां पर केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषि विश्वविद्यालयों का एक बेहतरीन संजाल भी मौजूद है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुनिया में वही देश विकसित हुए हैं, जिन्होंने ज्यादा से ज्यादा शोध और विकास पर ध्यान केन्द्रित किया है। यह विकास स्पेस साइंस, आई0टी0, एटॉमिक साइंस सहित अलग-अलग क्षेत्रों में हो सकता है। उत्तर प्रदेश में कृषि के क्षेत्र में न केवल देश का, बल्कि दुनिया का पेट भरने का सामर्थ्य भी है। कृषि, हार्टिकल्चर, वेजिटेबल के क्षेत्र में हम बहुत कुछ कर सकते हैं। हमें अपने क्लाइमेटिक जोन तथा पर्यावरण के अनुरूप शोध कार्य को आगे बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए। हमारे स्तर पर किये जाने वाले शोध और विकास के कार्यक्रम देश व प्रदेश की प्रगति में निर्णायक भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह आवश्यक नहीं है कि जो बात यूरोप के लिए उपयुक्त है, वह भारत के लिए भी उपयुक्त हो। हमें भारत के पर्यावरण, जलवायु तथा मिट्टी के अनुरूप विकास और शोध कार्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में स्वयं को तैयार करना होगा। इसके लिए हमें लगातार प्रयास करने होंगे। यह सभी संभावनाएं उत्तर प्रदेश में हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रत्येक राज्य को भी अपनी-अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। विकसित भारत के लिए हमें विकसित उत्तर प्रदेश बनाना है। विकसित उत्तर प्रदेश बनाने के लिए सभी क्षेत्रों में छुपी सम्भावनाओं को तलाशना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म और लॉन्ग टर्म की कार्ययोजनाएं निर्धारित की हैं। हमें इन सबको साथ लेकर चलना होगा, तभी हम बड़ा लक्ष्य प्राप्त कर पाएंगे। कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि अनुसंधान के लिए कार्यरत संस्थानों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इजराइल की मदद से प्रदेश में सेण्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना की गयी है। हमें इसे आगे बढ़ाते हुए इसके एक्सटेन्शन की दिशा में प्रयास करने चाहिए।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। अक्सर किसान बारिश पर निर्भर रहते हैं। यदि बारिश में विलम्ब हुआ, तो बुआई भी देरी से होती है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें लेट वेराइटी के लिए बीजों की उपलब्धता और उनकी बुआई के लिए किसानों को प्रशिक्षित करना चाहिए।

भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में गोरखपुर को पूरे देश में चौथा स्थान मिलना एक बड़ी उपलब्धि है, अगली प्रतिस्पर्धा टॉप थ्री में आने की है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 23 जुलाई, 2025 को नगर निगम परिसर, जनपद गोरखपुर में सफाई मित्र सुरक्षित शहर सम्मान समारोह में नगर निगम गोरखपुर द्वारा स्वच्छ वॉर्ड प्रतियोगिता के अन्तर्गत चयनित पार्षदों एवं सफाई मित्रों का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में 03 लाख से 10 लाख जनसंख्या की श्रेणी में गोरखपुर पूरे देश में चौथे स्थान पर आया है। पिछले तीन वर्षों में गोरखपुर 74वें स्थान से 22 वें और फिर 22वें से चौथे स्थान पर आ गया है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। यह इस बात की प्रेरणा भी देती है कि हम भी अपनी श्रेणी में प्रथम स्थान पर आ सकते हैं। हमारी अगली प्रतिस्पर्धा टॉप थ्री में आने की है।

उन्होंने सफाई मित्र कल्याण कोष से आर्थिक सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक वितरित किये। उन्होंने नगर निगम के 12 स्वच्छता वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री जी ने समारोह में जनपद गोरखपुर के विकास की 253 करोड़ रुपये लागत की 177 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने अर्बन फ्लड मैनेजमेण्ट सेल एण्ड अर्ली वॉर्निंग सिस्टम का उद्घाटन तथा अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले गोरखपुर की पहचान मच्छर, माफिया, गन्दगी, बीमारियां, अराजकता, अव्यवस्था, सड़कों पर जाम तथा बरसात में जलजमाव से थी। आज इन सभी समस्याओं से एक-एक कर निजात मिल रही है। इसी क्रम में, यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। पहले गोरखपुर में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, लेकिन नये भारत के नये उत्तर प्रदेश के लिए गोरखपुर ने अपने आप को तैयार किया और नया गोरखपुर बनकर दिखा दिया है। जब आगे बढ़ने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होती है, तब इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। गोरखपुर महानगरवासियों ने विकास कार्यों में अपना सकारात्मक योगदान दिया है। सभी महानगरवासियों ने स्वयं के स्थान पर जनपद के विकास को प्राथमिकता दी, जिसका परिणाम हुआ कि गोरखपुर की सड़कें चौड़ी हुई तथा ड्रेनेज बेहतर हुआ।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां पर अर्बन फ्लड मैनेजमेण्ट सेल का लोकार्पण किया गया है। अब किसी भी प्रकार के अतिक्रमण व नाला जाम की जानकारी तकनीक से हो जाएगी। गोरखपुर महानगर ने तकनीक के प्रयोग तथा टीम वर्क के साथ स्वच्छता के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की ओर कदम बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर के सभी वॉर्डों में स्वच्छता समितियां कार्य कर रही है। पार्षद अपने-अपने वार्डों को नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। यहां कुछ पार्षदों को सम्मानित किया गया है, ताकि एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाया जा सके। महानगरों में स्वच्छता समितियां डोर-टू-डोर जाकर जनता को जागरुक करें तथा उन्हें अपने घरों के कूड़े को सड़क पर न फेंकने के लिए प्रेरित करें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम विकास की प्रक्रिया में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी श्रृंखला में आज यहां 253 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। नगर निगम परिसर में डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण हुआ है। निगम के पूर्व पार्षदों को भी इस लाइब्रेरी से जोड़ा जाए। रामगढ़ ताल पर्यटन के नये केन्द्र के रूप में उभरा है। रामगढ़ ताल के सौंदर्यीकरण के लिए फेज-2 के तहत 35 करोड़ 41 लाख रुपये की लागत से किये गये कार्यों का लोकार्पण भी किया गया है। विकास के लिए धनराशि जनता के टैक्स से आती है। इस धनराशि का उचित उपयोग होना चाहिए। विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने गोरखपुर के विकास की 177 परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के लिए महानगर वासियों को बधाई दी।

शिष्टाचार भेंट

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 19 जुलाई, 2025 को
नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 19 जुलाई, 2025 को
नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा जी से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

22 जुलाई, 2025 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई कैबिनेट बैठक के प्रमुख निर्णय

- राज्य सरकार के ऐसे सरकारी सेवक जिनका चयन ऐसे पद/रिक्तियों के सापेक्ष हुआ हो, जिसका विज्ञापन प्रदेश में नई परिभाषित अंशदान पेंशन योजना (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली) लागू करने सम्बन्धी राज्य सरकार की अधिसूचना दिनांक 28 मार्च, 2005 के पूर्व हो चुका था, को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित करने के सम्बन्ध में निर्धारित कट ऑफ तिथियों के विस्तरण का प्रस्ताव अनुमोदित

  मंत्रिपरिषद ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से आच्छादित राज्य सरकार के ऐसे सरकारी सेवक जिनका चयन ऐसे पद/रिक्तियों के सापेक्ष हुआ हो, जिसका विज्ञापन प्रदेश में नई परिभाषित अंशदान पेंशन योजना (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली) लागू किये जाने सम्बन्धी राज्य सरकार की अधिसूचना दिनांक 28 मार्च, 2005 के पूर्व हो चुका था, को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित किये जाने के सम्बन्ध में निर्धारित कट ऑफ तिथियों के विस्तरण का प्रस्ताव अनुमोदित किया है।

  मंत्रिपरिषद द्वारा शासनादेश दिनांक 28.06.2024 एवं कार्यालय-ज्ञाप/स्पष्टीकरण दिनांक 22.08.2024 से आच्छादित कार्मिकों द्वारा विकल्प प्रस्तुत करने की पूर्व निर्धारित तिथि 31.10.2024 को बढ़ाकर दिनांक 30.09.2025 तक एवं विकल्प के आधार पर पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित करने हेतु नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा आदेश निर्गत करने की पूर्व निर्धारित तिथि 31.03.2025 को बढ़ाकर दिनांक 30.11.2025 तक एवं एन0पी0एस0 खाता बन्द करने की पूर्व निर्धारित तिथि 30.06.2025 को बढ़ाकर दिनांक 28.02.2026 तक किए जाने का निर्णय लिया गया है।समय-सीमा का यह विस्तरण अन्तिम होगा।

- मंत्रिपरिषद ने प्लॉट संख्या-बी-219, फेज़-2, नोएडा पर स्थापित पराग डेयरी नोएडा की 4.62 हेक्टेयर भूमि M/s RAPHE mPhibr को प्राधिकरण के वर्तमान औद्योगिक भूखण्डों की दर पर 101 करोड़ रुपये में विक्रय किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। मंत्रिपरिषद ने यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 10 एकड़ भूमि पराग डेयरी को प्राधिकरण के वर्तमान औद्योगिक भूखण्डों की दर पर आवंटित किए जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदित किया है। इस भूमि पर पराग डेयरी की संतुष्टि के अनुसार 04 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता के नवीन डेयरी प्लाण्ट की स्थापना/कमीशनिंग M/s RAPHE mPhibr द्वारा की जाएगी।

22 जुलाई, 2025 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई कैबिनेट बैठक के प्रमुख निर्णय

» मंत्रिपरिषद ने चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे (लम्बाई 15.172 कि0मी0 04 लेन (06 लेन विस्तारणीय)) का विकास ई0पी0सी0 मोड पर किए जाने हेतु व्यय-वित्त समिति द्वारा पूंजीगत मदों हेतु मूल्यांकित लागत 939.67 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रस्ताव अनुमोदित किया है।चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे वाराणसी-बांदा मार्ग (राष्ट्रीय मार्ग संख्या 35/76) के कि0मी0 267 पर जनपद चित्रकूट के भरतकूप के निकट से प्रारम्भ होकर राष्ट्रीय मार्ग 135 बी0जी0 पर जनपद चित्रकूट में अहमदगंज में समाप्त होगा। परियोजना हेतु 110 मीटर चौड़ाई का राइट ऑफ वे प्रस्तावित किया गया है। 4 लेन चौड़ाई (06 लेन विस्तारणीय) के इस एक्सप्रेस-वे की सभी संरचनाएं 06 लेन चौड़ाई हेतु निर्मित की जाएंगी। एक्सप्रेस-वे का निर्माण 120 कि0मी0 प्रति घण्टा डिजाइन स्पीड हेतु प्रस्तावित किया गया है।

» मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश राज्य में महिला के पक्ष में निष्पादित विलेखों पर प्रभार्य स्टाम्प शुल्क में छूट निर्धारित किए जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय के अनुसार प्रदेश में महिलाओं के पक्ष में निष्पादित होने वाले विलेखों पर प्रभार्य स्टाम्प शुल्क में दी गई छूट को विस्तारित करते हुए 01 करोड़ रुपये मूल्य तक के विलेखों पर प्रभार्य स्टाम्प शुल्क में 01 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।

» मंत्रिपरिषद ने आई0आर0डी0ई0, डी0आर0डी0ओ0, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित आई0आर0 डिटेक्शन टेक्नोलॉजी सेन्टर के पक्ष में 10 हेक्टेयर भूमि निःशुल्क 01 रुपये की वार्षिक लीज रेन्ट पर दिए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है।

22 जुलाई, 2025 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई कैबिनेट बैठक के प्रमुख निर्णय

- मंत्रिपरिषद ने स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के अन्तर्गत प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तीकरण हेतु निःशुल्क वितरित किए जा रहे टैबलेट/स्मार्टफोन के स्थान पर सभी लाभार्थियों हेतु केवल टैबलेट का वितरण किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

- मंत्रिपरिषद ने टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड (टी0टी0एल0) के सहयोग से प्रदेश की 121 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थाओं का उन्नयन किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। इसके अन्तर्गत 121 राजकीय पॉलीटेक्निक में टी0टी0एल0 द्वारा एक्सीलेंस सेन्टर स्थापित कर उन्नयन किया जाएगा।

- मंत्रिपरिषद ने राज्य विधान मण्डल के दोनों सदनों का वर्ष 2025 का द्वितीय सत्र (वर्षाकालीन सत्र) 11 अगस्त, 2025 (सोमवार) को आहूत कर लिए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

- मंत्रिपरिषद ने 'उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एण्ड रूरल इण्टरप्राइज ईकोसिस्टम स्ट्रेन्थनिंग परियोजना (यूपीएग्रीज)' के अन्तर्गत 'एक्वाकल्चर परियोजना' तथा जेवर एयरपोर्ट के निकट 'एग्री एक्सपोर्ट हब' की स्थापना के सम्बन्ध में नीतिगत प्रोत्साहन दिए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

- मंत्रिपरिषद ने जनपद वाराणसी में दालमण्डी मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराए जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित